Govt. Degree College, Bagah-1 (W. Champaran)

Babasaheb Bhimrao Ambedkar University Muzaffarpur (Bihar)

B.A. Part-1 (Hons.)

Paper - 1

Topic

वायुराशि (Airmass)

Dharmesh nanda
Assistant Professor (Guest)
Geography Department

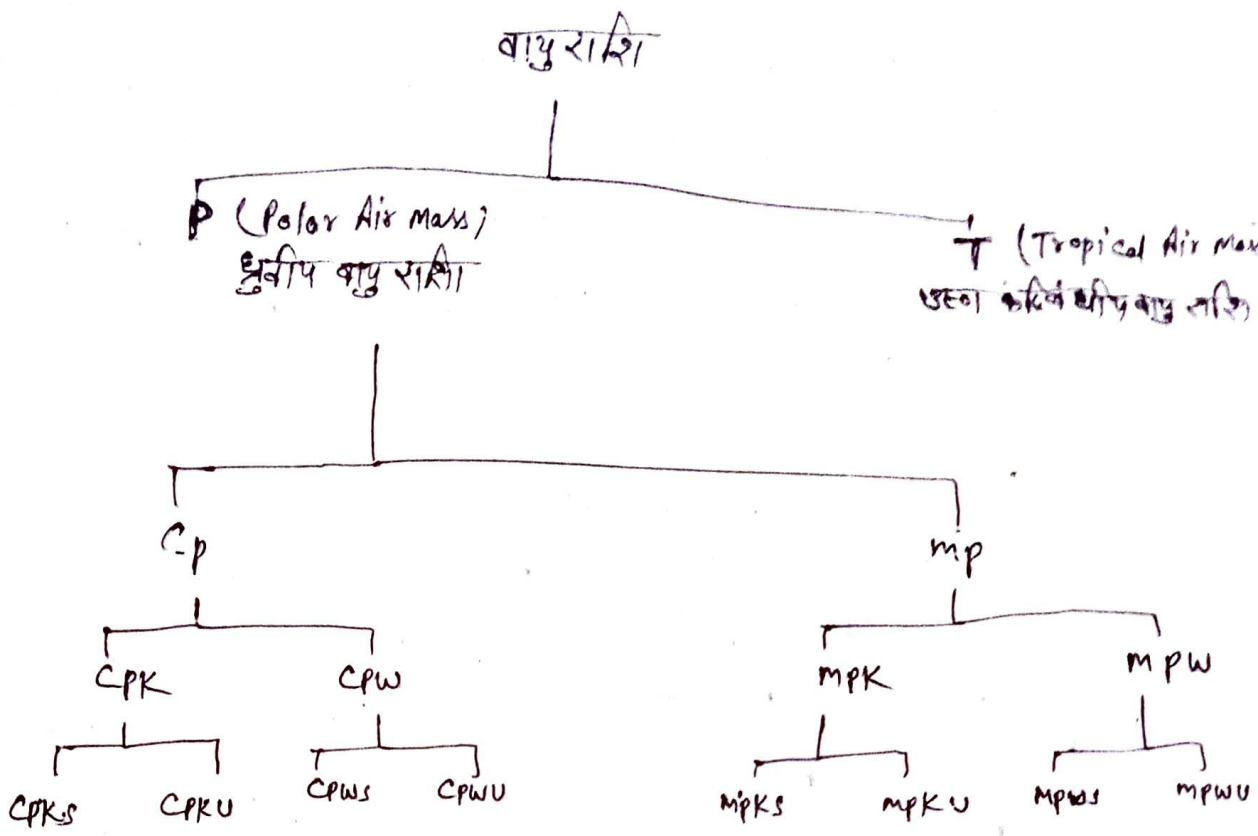

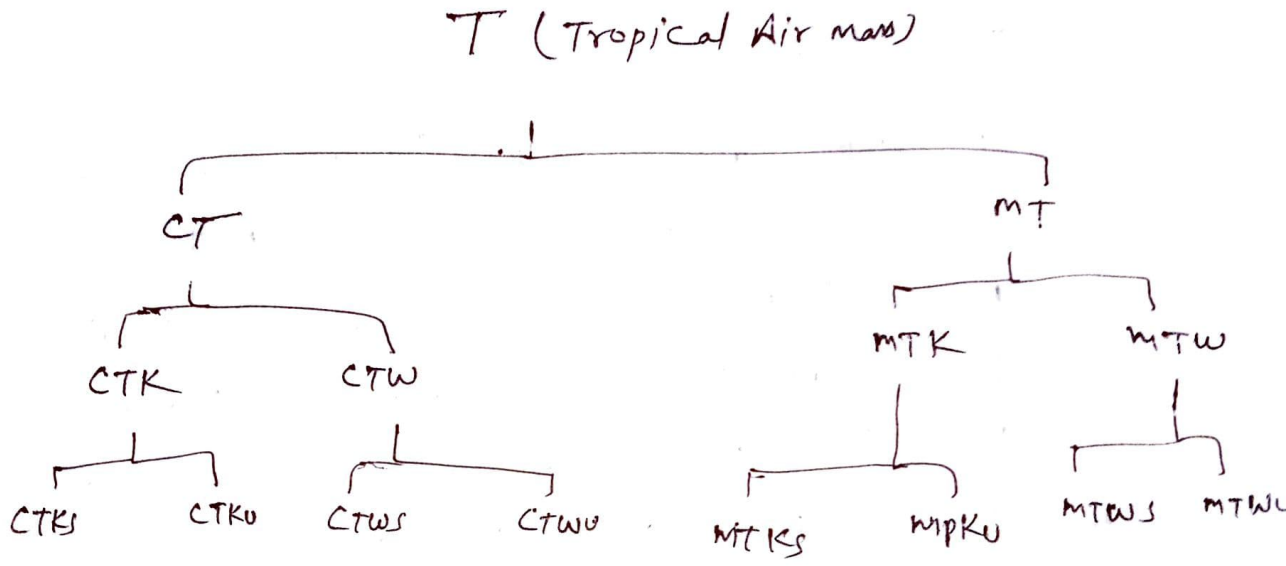

P = ध्रुवीय वायुराशि

T = उष्ण कटिबंध वायु राशि

c = महाद्वीपीय वायु राशि

m = महासागरीय वायु राशि

K = ठंडी वायु राशि

w = गर्म वायु राशि

S = स्थिर वायु राशि

u = अस्थिर वायु राशि

ध्रुवीय वायु राशि → यह वायुराशि उच्च अक्षांशों में उत्पन्न होती है। इसे P अक्षर द्वारा प्रकट किया जाता है। कनाडा में उत्पन्न होने वाली राशियां ध्रुवीय वायु राशियों की उदाहरण हैं। आर्कटिक वायु राशियों को भी इसी वर्ग में सम्मिलित किया जाता है।

उष्ण कटिबंधीय वायु राशि – इसके अंतर्गत निम्न अक्षांशों में उत्पन्न वायु राशियों को सम्मिलित किया जाता है। विषुवत रेखीय वायु राशियों को भी इसी वर्ग में सम्मिलित किया जाता है। इसे T अक्षर द्वारा प्रकट किया जाता है।

उपरोक्त दोनों ही वायु राशियों को तल की प्रकृति के आधार पर पुनः दो-दो उपवर्गों में विभाजित किया जाता है।

(i) महाद्वीपीय वायु राशि (Continental Air Mass) – इस वायु राशि की उत्पत्ति महाद्वीपों पर होती है; जिसके कारण इसमें आर्द्रता का अभाव होता है, परंतु जब यह वायुराशि महासागरों के ऊपर से होकर गुजरती है तो इनमें आर्द्रता का समावेश हो जाता है फलस्वरूप इसमें महासागरीय वायुराशि के लक्षण उत्पन्न हो जाते हैं। इसे C अक्षर द्वारा प्रकट किया जाता है।

(ii) महासागरीय वायुराशि (Maritime Air Mass) –
महासागरों के ऊपर उत्पन्न होने के कारण इस वायुराशि में प्रारंभ से ही आर्द्रता की अधिक मात्रा होती है। अतः वर्षा की दृष्टि से इनका काफी महत्व होता है। इस वायु राशि को m अक्षर द्वारा प्रकट किया जाता है।

इस प्रकार उत्पत्ति क्षेत्र एवं उनकी प्रकृति के आधार प
वायु राशियों को चार वर्गों में विभाजित किया जाता है

(i) महाद्वीपीय ध्रुवीय वायुराशि (cP)
(ii) महासागरीय ध्रुवीय वायुराशि (mP)
(iii) महाद्वीपीय उष्ण कटिबंधीय वायुराशि (cT)
(iv) महासागरीय उष्ण कटिबंधीय वायुराशि (mT)

उत्पत्ति के पश्चात् वायुराशियां अन्य प्रदेशों की ओर गतिमान होती है। अतः वायुराशियों के गमनमार्ग (Trajectory) के आधार पर इन्हें पुनः दो भागों में विभाजित किया जाता है।

(i) ठंडी वायु राशि : यदि वायुराशि का तापमान उस क्षेत्र के तापमान की अपेक्षा, जिस पर वह स्थित हो या संचरण कर रही हो, कम हो तो उस वायु राशि को ठंडी वायु राशि कहा जाता है। उसे K अक्षर द्वारा प्रकट किया जाता है।

(ii) गर्म वायु राशि — यदि वायु राशि का तापमान उस क्षेत्र के तापमान की अपेक्षा जिस पर वह स्थित हो या गमन कर रही हो अधिक है तो उस राशि को गर्म वायु राशि कहा जाता है।

पुनः वायुराशियों को स्थिर एवं अस्थिर प्रकारों में रखा जाता है:

(i) स्थिर वायु राशि — वह वायु राशि, जिसमें वायु ऊपर से नीचे बैठती है, स्थिर वायु राशि कहलाती है